हिन्दी दैनिक
पथ प्रवाह
RNI No.: UTTHIN/2011/39282
हर खबर पर पैनी नजर
गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं
वर्ष:5 अंक:22 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये
pathpravah.com
हरिद्वार, सोमवार, 26 जनवरी 2026

भारतीय सभ्यता, संस्कृति, आध्यात्मिक परम्परा का लाभ ले रही है पूरी दुनिया : मुर्मु

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि भारतीय सभ्यता, संस्कृति तथा आध्यात्मिक परम्परा की दुनिया सराहना कर रही है और आयुर्वेद, योग तथा प्राणायाम को अपनाते हुए विश्व समुदाय आज इसका लाभ ले रहा है।

श्रीमती मुर्मु ने रविवार को 77वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर राष्ट्र को संबोधित करते हुए कहा कि प्राचीन काल से ही पूरी मानवता हमारी सभ्यता, संस्कृति तथा आध्यात्मिक परम्परा से लाभान्वित होती रही है। आयुर्वेद, योग तथा प्राणायाम को विश्व समुदाय ने सराहा और अपनाया है। अनेक महान विभूतियों ने हमारी आध्यात्मिक एवं सामाजिक एकता की धारा को अविरल प्रवाह दिया है। यह गर्व की बात है कि आज का भारत, नये आत्म-विश्वास के साथ अपनी गौरवशाली परम्पराओं के प्रति सचेत होकर आगे बढ़ रहा है। श्रीमती मुर्मु ने कहा 'केरल में जन्मे, महान कवि, समाज सुधारक और आध्यात्मिक विभूति श्रीनारायण गुरु के अनुसार उस स्थान को आदर्श माना जाता है जहां जाति और पंथ के भेदभाव से मुक्त होकर सभी लोग बंधुत्व के साथ रहते हैं। मैं श्रीनारायण गुरु के इस विचार को उनकी भाषा में दोहराने का प्रयास करती हूं- 'जाति-भेदम् मत-द्वेषम्, एदुम्-इल्लादे सर्वरुम् सोद-रत्वेन वाडुन्न, मात्रुका-स्थान मानित। '

मन की बात : पर्यावरण संरक्षण में आम नागरिकों के प्रयासों से आ रहा बदलाव

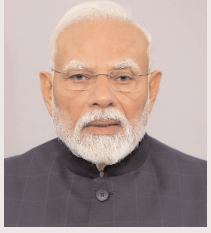

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण में आम नागरिकों के प्रयासों से आ रहे बदलाव की चर्चा करते हुये कूच बिहार में बेनॉय दास के एकल प्रयास का जिक्र किया। मोदी ने कहा कि जब पर्यावरण संरक्षण की बात होती है, तो अक्सर बड़े अभियानों, सरकारी योजनाओं और संगठनों की भूमिका पर चर्चा होती है। लेकिन देश के अलग-अलग हिस्सों से सामने आ रहे उदाहरण यह साबित कर रहे हैं कि छोटे, लगातार और व्यक्तिगत प्रयास भी बड़े बदलाव की नींव रख सकते हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल के कूच बिहार जिले के निवासी बेनॉय दास का उदाहरण देते हुये कहा कि उन्होंने पिछले कई वर्षों में अपने जिले को हरा-भरा बनाने का बीड़ा अकेले दम पर उठाया। मोदी ने बताया कि श्री दास ने हजारों पेड़ लगाए, जिनमें से कई के लिए पौधे खरीदने, लगाने और उनकी देखभाल का खर्च उन्होंने स्वयं उठाया। जहां आवश्यकता पड़ी, वहां स्थानीय लोगों, छात्रों और नगर निकायों के साथ मिलकर काम किया। उनके निरंतर प्रयासों से सड़कों के किनारे हरियाली बढ़ी है और क्षेत्र का पर्यावरण बेहतर हुआ है।

गणतंत्र दिवस संविधान निर्माण का महापर्वः मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर प्रदेशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएँ दीं। अपने संदेश में उन्होंने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों, संविधान निर्माताओं एवं राज्य आंदोलनकारियों को नमन करते हुए कहा कि गणतंत्र दिवस भारतीय संविधान के निर्माण का महापर्व है, जो हमें लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति प्रतिबद्ध रहने की प्रेरणा देता है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अवसर स्वतंत्रता सेनानियों के सपनों को साकार करने तथा न्याय, स्वतंत्रता, समानता और भाईचारे के आदर्शों को जीवन में उतारने का संकल्प दोहराने का है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के संकल्प को साकार करने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री द्वारा '21वीं सदी का तीसरा दशक उत्तराखण्ड का दशक' बताए जाने से प्रदेशवासियों में नई ऊर्जा का संचार हुआ है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जनसेवा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए 'जन-जन की सरकार, जन-जन के द्वार' कार्यक्रम संचालित कर रही है, जिससे लाखों लोग लाभान्वित हुए हैं। समान नागरिक संहिता लागू कर उत्तराखण्ड ने देश को नई दिशा दी है। तीर्थयात्राओं के बेहतर प्रबंधन, मानसखण्ड मंदिर माला मिशन और शीतकालीन यात्रा से धार्मिक पर्यटन को नई गति मिली है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उद्योग-अनुकूल नीतियों, निवेश प्रोत्साहन और रोजगार सृजन पर सरकार का विशेष ध्यान है। नीति आयोग की निर्यात तैयारी सूचकांक में उत्तराखण्ड को छोटे राज्यों की श्रेणी में प्रथम स्थान मिला है। पिछले चार वर्षों में 27 हजार से अधिक सरकारी नियुक्तियाँ की गई हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि नकल-विरोधी कानून, सख्त भू-कानून, अतिक्रमण हटाने और भ्रष्टाचार के विरुद्ध कठोर कार्रवाई से सुशासन को मजबूती मिली है। महिलाओं को सरकारी नौकरियों में 30 प्रतिशत आरक्षण देकर मातृशक्ति के सम्मान को प्राथमिकता दी गई है।

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
गणतंत्र
26
JANUARY
दिवस
पंकज मेसौन
सदस्य, उत्तराखंड
राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड
भारत सरकार
त्रिवेंद्र सिंह रावत
पूर्व मुख्यमंत्री एवं सांसद
लोकसभा, हरिद्वार

नगर निगम रुड़की की ओर से सभी नगर वासियों को
गणतंत्र दिवस
की हार्दिक शुभकामनाएं
1. नगर निगम रुड़की को स्वच्छ व सुंदर बनाए रखने के लिए फड़ों, दुकानों व होटल, रेस्टोरेंट एवं बैंकट हॉल का कूड़ा कूड़ेदान में ही डालें।
2. घर-घर से कूड़ा पृथक्कीरण कर नगर निगम रुड़की को कूड़ा वाहन में डालकर सहयोग प्रदा करें।
3. सुखा और गीला कूड़ा अलग करें। गीला कूड़ा हरे रंग के कूड़ेदान में और सुखा कूड़ा नीले रंग के कूड़ेदान में डालें।
4. बाजार में सामग्री क्रय के लिए प्लास्टिक बैग व प्लास्टिक पॉलिथीन के स्थान पर कपड़े /कागज के थैले उपयोग में लाए एवं प्लास्टिक कूड़े को न जलायें।
5. यु.सी.सी. में विवाह पंजीकरण अवश्य करायें।
6. सड़क व नालियों पर अतिक्रमण न करें।
7. समय से प्रॉपर्टी टैक्स व किराया एवं यूजर चार्जेस जमा करें।

सूखा कचरा अलग और गीला कचरा अलग डब्बे में डालें।
राकेशचन्द्र तिवारी
नगर आयुक्त
नगर निगम रुड़की
अनीता ललित अग्रवाल
महापौर
नगर निगम रुड़की
समस्त पार्षद गण एवं नगर निगम परिवार

अपील

सभी नगरवासियों को नगर निगम हरिद्वार की ओर से गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं।
इस अवसर पर नगर निगम हरिद्वार आपसे अपील करता है कि आपः-

- ■अपने घर एवं प्रतिष्ठान का ठोस अपशिष्ट गीला व सूखा कूड़ा पृथक-पृथक नगर निगम के डोर-टू-डोर स्वच्छता वाहन को ही दें।
- ■नगर निगम हरिद्वार द्वारा स्वच्छता कार्यों, डोर-टू-डोर सेवा हेतु उपभोक्ता शुल्क यूजर चार्ज के रूप में समय से देने का कष्ट करें एवं शहर को स्वच्छ एवं सुन्दर बनाने में अपना सहयोग प्रदान करें।
- ■सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रयोग न करें और न ही दूसरों को करने दें। कपड़े, कागज अथवा जूट के बने बैगों/थैलों का प्रयोग करें।
- ■नाले/नालियों पर अतिक्रमण न करें व उनके अंदर कूड़ा आदि न डालें।
- ■गंगा नदी व घाटों के पास गंदगी न फैलायें न किसी को फैलाने दें।
- ■खुले में शौच न करें, शौचालयों का प्रयोग करें।

कार्यालयः नगर निगम हरिद्वार

नन्दन कुमार
नगर आयुक्त, नगर निगम हरिद्वार

पत्रांक- 604/सै.सै/2025-26
दिनांक-24.01.2026

किरन जैसल
महापौर, नगर निगम हरिद्वार

S.M. PUBLIC SCHOOL
Affiliated to CBSE, New Delhi (10+2)
An English Medium Co-ed Sr. Secondary School

असतो मा सद्गमय

77th Happy
Republic Day
2026

'Celebrating 150 Years of Vande Mataram'

Freedom in the Mind, Strength in the Words, Pride in our Souls...
Let's salute our **Great Nation!**
Wishing everyone a Happy Republic Day!

Laksar Road, Jagjeetpur, Kankhal,Haridwar (Uttarakhand) Mb: 9012140450

समस्त देशवासियों को गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस 26 January

नागेंद्र राणा
पार्षद, वार्ड 54 नगर निगम, हरिद्वार

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

गणतंत्र दिवस 26 January

आशुतोष शर्मा
भाजपा जिलाध्यक्ष, हरिद्वार

जयपाल चौहान
राज्यमंत्री, हरिद्वार उत्तराखंड

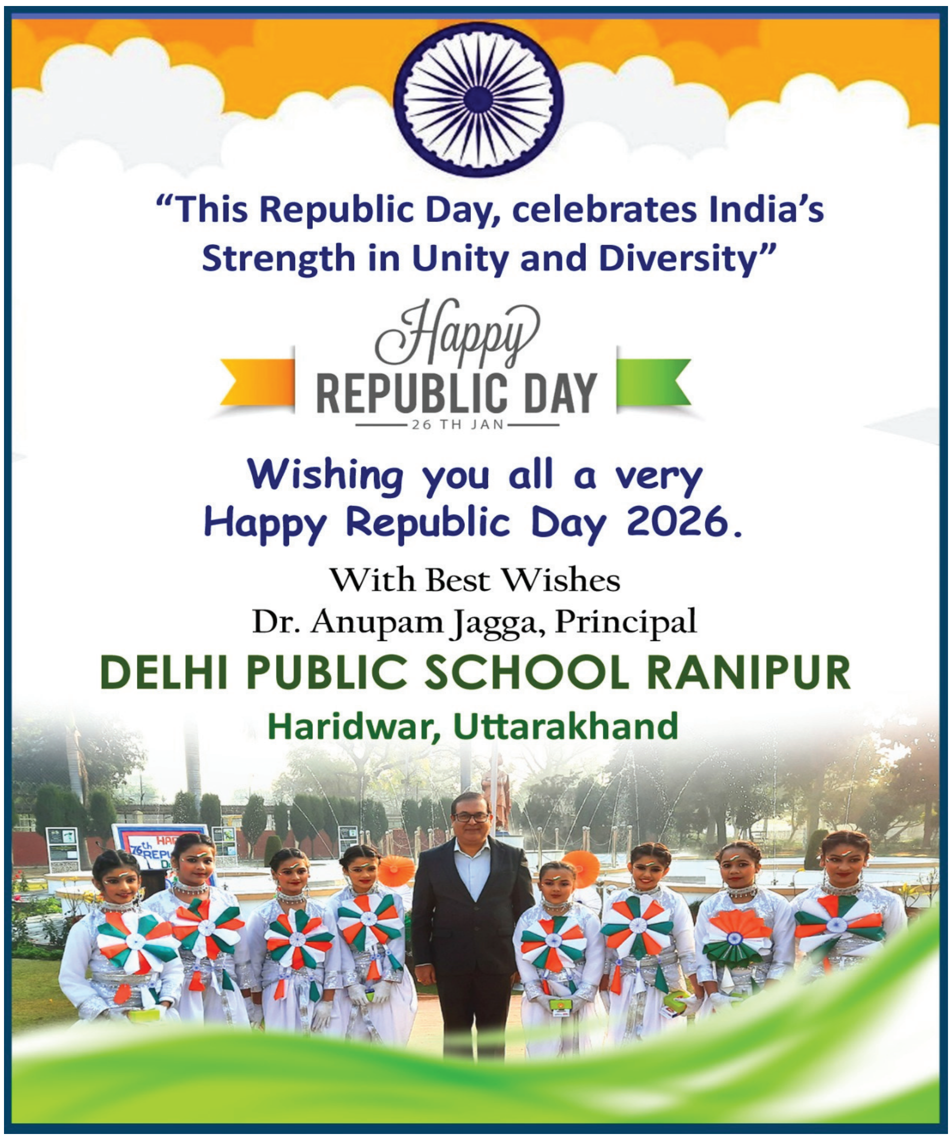

"This Republic Day, celebrates India's Strength in Unity and Diversity"

Happy
REPUBLIC DAY
26 TH JAN

Wishing you all a very
Happy Republic Day 2026.

With Best Wishes
Dr. Anupam Jagga, Principal
DELHI PUBLIC SCHOOL RANIPUR
Haridwar, Uttarakhand

ADMISSION OPEN
For session
2026-27

"A school that nurtures dreams, values, and excellence."

DAV PUBLIC SCHOOL DEHRADUN
Wishes you all a very happy
Republic Day

On this Republic Day, may our country progress with peace and harmony.

43.25 करोड़ से होंगे रोडीबेलवाला में प्रशासनिक सड़क कॉरिडोर विकास के कार्य

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार के मास्टर प्लान के तहत मेला प्रशासन ने निर्माण कार्यों पर काम शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में प्रशासनिक सड़क कॉरिडोर विकास के तहत 43.25 करोड़ रुपये के कार्य स्वीकृत किये गए हैं। इन कार्यों की बिड 30 जनवरी को खोली जाएगी। मेला प्रशासन के मुताबिक उत्तराखण्ड निवेश एवं आधारिक संरचना विकास बोर्ड (यूआईआईडीबी) द्वारा तैयार किये जा रहे हरिद्वार मास्टर प्लान के तहत प्रशासनिक सड़क कॉरिडोर डवलपमेंट के तहत जो कार्य स्वीकृत किये गए हैं उनमें पूर्व निर्मित मार्ग पर शंकराचार्य चौक से सीसीआर तक करीब ढाई किलोमीटर में 7 व 5.50 मीटर चौड़ाई बीसी एवं इंटरलॉकिंग पेवर ब्लॉक द्वारा मार्ग निर्माण व सुधारीकरण का कार्य किया जाएगा। चंडी चौराहे से लालतारौ सेतु मार्ग पर 8.50 मीटर चौड़ाई में 2 नं. आरसीसी बाक्स टाईप कल्वर्ट का कार्य किया जाएगा। इसके कअलावा मार्ग के दोनों ओर फुटपाथ और ड्रेनेज का कार्य किया जाएगा। स्ट्रीट लाईट और पथ प्रकाश व्यवस्था का कार्य भी इसी मद में किया जाएगा। इसके अलावा सीसीटीवी सिस्टम का कार्य, सॉलिड वेस्ट मैनेजमेन्ट के अर्न्तगत कूडेदान लगाने का कार्य और प्लांटेशन का कार्य भी इसी स्वीकृत बजट में किया जाएगा।

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
युद्धवीर सिंह तोमर
अधीक्षण अभियंता
उत्तराखंड पावर कारपोरेशन
लिमिटेड, डिवीजन कालसी
26
JANUARY
HAPPY REPUBLIC DAY

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
तोष कुमार जैन
प्रबंध निदेशक
देशरक्षक औषधालय
लिमिटेड, हरिद्वार
26
JANUARY
HAPPY REPUBLIC DAY

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
रवि राजौरा
अधीक्षण अभियंता
उत्तराखंड पावर कारपोरेशन
लिमिटेड, डिवीजन हल्द्वानी
26
JANUARY
HAPPY REPUBLIC DAY

समस्त देश वासियों को
गणतंत्र
दिवस
की हार्दिक
शुभकामनाएं
आदेश चौहान
विधायक भेल रानीपुर

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
संजीव गुप्ता
अधीक्षण अभियंता, पिटकुल
26
JANUARY
HAPPY REPUBLIC DAY

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं
विद्युत
परीक्षण खंड
हरिद्वार
26
JANUARY
HAPPY REPUBLIC DAY

संपादकीय

गणतंत्र दिवस : संविधान की शक्ति और भारत की आत्मा

26 जनवरी केवल एक तारीख नहीं, बल्कि भारत की लोकतांत्रिक चेतना का उत्सव है। इसी दिन वर्ष 1950 में भारत ने अपने संविधान को अंगीकार कर स्वयं को पूर्ण गणराज्य घोषित किया। यह क्षण उस ऐतिहासिक संघर्ष की परिणति था, जिसमें असंख्य बलिदानों, विचारों और संकल्पों ने मिलकर एक ऐसे राष्ट्र की नींव रखी, जहाँ सत्ता का स्रोत जनता है।

भारतीय संविधान केवल शासन का दस्तावेज नहीं, बल्कि सामाजिक न्याय, समानता और राष्ट्रीय एकता का जीवंत संकल्प है। डॉ. भीमराव अंबेडकर के नेतृत्व में निर्मित यह संविधान प्रत्येक नागरिक को अधिकार ही नहीं देता, बल्कि उसे कर्तव्यों के प्रति भी जागरूक करता है। विविधताओं से भरे इस विशाल देश को एक सूत्र में बाँधने का कार्य संविधान ने ही किया है। भाषा, धर्म, संस्कृति और परंपराओं की भिन्नता के बावजूद भारत की पहचान उसकी एकता है।

गणतंत्र दिवस पर कर्तव्य पथ से निकलने वाली भव्य परेड देश की सैन्य शक्ति, तकनीकी क्षमता और सांस्कृतिक वैभव का प्रदर्शन करती है। यह परेड भारत के आत्मविश्वास, अनुशासन और राष्ट्रीय संकल्प का प्रतीक है। राज्यों की झांकियाँ 'एक भारत-श्रेष्ठ भारत' की भावना को जीवंत करती हैं और यह संदेश देती हैं कि भारत की शक्ति उसकी विविधता में निहित है।

परंतु गणतंत्र दिवस का महत्व केवल समारोहों तक सीमित नहीं होना चाहिए। यह दिन आत्मचिंतन का अवसर है—क्या हम अपने संवैधानिक मूल्यों के अनुरूप आचरण कर रहे हैं? क्या हम समानता, न्याय और भाईचारे को केवल शब्दों तक सीमित रख रहे हैं या अपने व्यवहार में भी उतार रहे हैं? आज जब भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब नागरिकों की सजगता, ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा ही राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी है।

आज का भारत नई संभावनाओं, नवाचार और आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है। ऐसे समय में गणतंत्र दिवस हमें याद दिलाता है कि सशक्त राष्ट्र वही होता है, जहाँ नागरिक अपने अधिकारों के साथ-साथ राष्ट्र के प्रति अपने दायित्वों को भी समान महत्व देते हैं।

गणतंत्र दिवस भारत की आत्मा का पर्व है—जहाँ संविधान हमारा मार्गदर्शक है और लोकतंत्र हमारी शक्ति। जब तक हम इन मूल्यों को जीवित रखेंगे, भारत निरंतर प्रगति, सम्मान और गौरव के पथ पर अग्रसर रहेगा।

अमेरिका का आर्थिक संकट, वैश्विक अर्थव्यवस्था पर खतरा

सनत जैन

दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था माने जाने वाले अमेरिका की वित्तीय स्थिति गंभीर सवालों के घेरे में है। अमेरिकी ट्रेज़री से जिस तेज़ी के साथ विदेशी पूंजी की निकासी हो रही है, जिस अनुपात में नया निवेश नहीं आ रहा है उसने अमेरिका के साथ-साथ वैश्विक आर्थिक व्यवस्था को अस्थिरता में धकेल दिया है। अमेरिकी प्रतिबंधों के डर और अमेरिका द्वारा कई देशों की संपत्तियों की जब्ती की कार्यवाही को देखते हुए दुनिया के कई देशों और निवेशकों ने अपना पैसा अमेरिका की ट्रेजरी से निकालना शुरू कर दिया है। अमेरिकी ट्रेजरी में बांड के रूप में किए गए निवेश को अधिकांश देश निकाल रहे हैं। वैश्विक स्तर पर यह आशंका व्यक्त की जा रही है, कि अमेरिका में रखा उनका पैसा अब सुरक्षित नहीं है। अमेरिका पर सार्वजनिक कर्ज़ 34 ट्रिलियन डॉलर पर पहुँच चुका है। पिछले वर्षों में अमेरिकी ट्रेज़री में विभिन्न देशों की सरकारों और संस्थाओं का जमा लगातार घट रहा है। एक समय अमेरिका को सुरक्षित निवेश का सबसे बड़ा ठिकाना माना जाता था। अमेरिका द्वारा रूस, अफगानिस्तान और ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों के बाद उन देशों की संपत्ति और जमा राशि को जब्ती की कार्यवाही करके दुनिया के अन्य देशों के भरोसे को बड़ी चोट पहुँचाई है। नतीजतन, यूरोप, चीन, भारत सहित दर्जनों देशों ने अमेरिकी ट्रेज़री बॉन्ड से दूरी बनानी शुरू कर दी है। अमेरिका और ब्रिटेन में जो सोना अन्य देशों ने जमा करके रखा था, उसे भी अब वापस लाया जा रहा है। दुनिया के कई देशों ने अमेरिकी बांड से राशि निकालकर सोने के रूप में निवेश करने का नया विकल्प तलाश लिया है। सभी देश डॉलर मुद्रा में जमा धन सोने के रूप में कन्वर्ट करके अपने देश के सेंट्रल बैंक में सुरक्षित रख रहे हैं। जिसके कारण अमेरिका की आर्थिक स्थिति लगातार खराब हो रही है।

डोनाल्ड ट्रंप की आक्रामक व्यापार नीति, टैरिफ युद्ध, और बार-बार प्रतिबंधों की धमकी तथा मनमाने निर्णय लेने के कारण दुनिया के देशों में अमेरिका की विश्वसनीयता लगभग खत्म हो गई है। अमेरिका की टैक्स एवं आर्थिक नीति में अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक अमेरिका की ट्रेजरी में नए बॉन्ड खरीदने से हिचक रहे हैं। अमेरिका की ट्रेजरी में बहुत बड़ी राशि के पुराने बॉन्ड की समय-सीमा पूर्ण होने जा रही है। अमेरिका की ट्रेजरी पर बांड में जमा राशि लौटाने का दबाव बन रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी से धन की निकासी बड़े पैमाने पर हो रही है। ट्रेजरी से जिस राशि का भुगतान किया जा रहा है, उस भुगतान की राशि का 25 फ़ीसदी धन भी अमेरिकी ट्रेजरी में जमा नहीं हो रहा है। अमेरिकी ट्रेजरी में जमा कम और निकासी अधिक होने से अमेरिका की अर्थव्यवस्था खतरनाक संकट की ओर आगे बढ़ रही है। इस संकट का असर केवल अमेरिका तक सीमित नहीं रहेगा। जब अमेरिका जैसी बड़ी अर्थव्यवस्था दबाव में आती है। इसका असर पूरी दुनिया पर पड़ना तय है। वैश्विक विकास-दर पहले ही सुस्त पड़ चुकी है। महँगाई, ऊँची ब्याज दरें और निवेश में गिरावट के कारण दुनिया के सभी देशों में आम लोगों की क्रय शक्ति लगातार घट रही है। लोगों के पास जरूरी खर्च करने के लिए भी पर्याप्त राशि नहीं है। नागरिकों की बचत खत्म हो गई है। नागरिकों के ऊपर कर्ज का बोझ लगातार बढ़ता चला जा रहा है, जिससे सभी देशों में मांग कमजोर हो रही है। जिसके कारण आर्थिक मंदी की आशंका गहराती जा रही है। आज दुनिया के अधिकांश देश भारी कर्ज़ के बोझ में दबे हैं। यदि अमेरिका जैसी केंद्रीय अर्थव्यवस्था की स्थिति कमजोर होती है। ऐसी स्थिति में वैश्विक वित्तीय व्यवस्था में हाहाकार मचना तय है। वैश्विक स्तर पर जिस तरह से युद्ध के हालात बने हुए हैं, वैश्विक व्यापार संधि भी टैरिफ के कारण खतरे में है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने जिस तरह से वैश्विक व्यापार संधि को नजरअंदाज करते हुए टैरिफ का नया युद्ध शुरू किया है, वह अमेरिका के साथ-साथ सारी दुनिया के देशों के लिए नए संकट के रूप में सामने है। किसी भी देश की ताकत उसकी आर्थिक एवं सैन्य शक्ति से नहीं तय की जा सकती है। ताकतवर देश के ऊपर भरोसे, स्थिरता और जिम्मेदार नीतियां उस देश को ताकतवर बनाती हैं। अमेरिका के सामने यही सबसे बड़ी चुनौती है। ट्रंप के राष्ट्रपति बनने के बाद से विश्वास, अब अविश्वास में बदल गया है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अब गैंगस्टर के रूप में पहचाना जा रहा है। जिसके कारण अमेरिका पर पहले जो विश्वास था, वह तेजी के साथ खत्म हो रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति की वर्तमान नीतियों के कारण सारी दुनिया के लिए एक नई चुनौती खड़ी हो गई है।

भारत में एक नए उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक का निर्माण हुआ है

प्रहलाद सबनानी

हिंदू सनातन संस्कृति के संस्कारों में समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्व के निर्वहन के लिए नागरिकों को जागरूक किए जाने का प्रयास लगातार किया जाता रहा है और पश्चिमी सभ्यता के आधार पर केवल अधिकार के भाव को बढ़ावा नहीं दिया जाता है। हिंदू वेदों एवं पुराणों के अनुसार प्रत्येक राजा का यह प्रथम कर्तव्य है कि वह अपने राज्य में निवास कर रहे नागरिकों की समस्याओं को दूर करने का भरसक प्रयास करे ताकि उसके राज्य में नागरिक सुख शांति से प्रसन्नता पूर्वक निवास कर सकें। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी ने 'एकात्म मानववाद' के सिद्धांत को विकसित किया था। यह एक ऐसा सिद्धांत है जो व्यक्ति एवं समाज के बीच एक संतुलित सम्बंध स्थापित करने पर जोर देता है। एकात्म मानववाद का उद्देश्य प्रत्येक मानव को गरिमापूर्ण जीवन प्रदान करना है एवं अंत्योदय अर्थात समाज के निचले स्तर पर स्थित व्यक्ति के जीवन में सुधार करना है। विशेष रूप से भारत में आज के परिप्रेक्ष्य में इस सिद्धांत का आश्य यह भी है कि सरकारी योजनाओं का लाभ समाज में अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाने का लक्ष्य प्रत्येक राजनीतिक दल का होना चाहिए। परंतु, आज की पश्चिमी सभ्यता, जो पूंजीवाद पर आधारित नीतियों पर चलती हुई दिखाई देती है, के अनुसरण में मानव केवल अपने हितों का ध्यान रखता हुआ दिखाई देता हैं एवं अपना केवल भौतिक (आर्थिक) विकास करने हेतु प्रयासरत रहता है और उसमें अपने परिवार एवं समाज के प्रति जिम्मेदारी के भाव का पूर्णतः अभाव दिखाई देता है। अतः विश्व के समस्त देशों द्वारा अपने नागरिकों एवं समाज के प्रति उत्तरदायित्व के निर्वहन को आंकने के उद्देश्य से भारत में उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक का निर्माण किया गया है। नई दिल्ली में दिनांक 20 जनवरी 2026 को उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक (ऋद्धह्यश्चश्ठ्ठह्यद्बड्ढद्यद्द हड्डह्लद्बश्ठ्ठह्य द्धठ्ठस्रद्द×) का लोकार्पण किया गया। यह पहल देशों का मूल्यांकन केवल शक्ति अथवा समृद्धि से नहीं, बल्कि नागरिकों, पर्यावरण एवं वैश्विक समुदाय के प्रति उनके उत्तरदायित्व के निर्वहन के आधार पर करने का एक महत्वपूर्ण प्रयास है। 21वीं सदी के लिए यह विमर्श समयोचित और आवश्यक है।

उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक को पूर्व राष्ट्रपति श्री रामनाथ कोविंद ने डॉक्टर अम्बेडकर अंतरराष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में राष्ट्र को समर्पित किया। वैश्विक स्तर पर इस प्रकार का सूचकांक पहली बार बनाया गया है और इसे बनाने में भारत के ही विभिन्न संस्थानों ने अपना योगदान दिया है। इस सूचकांक के माध्यम से यह आंकने का प्रयास किया गया है कि विभिन्न देशों द्वारा अपने नागरिकों के हित में अपने अधिकारों का उत्तरदायित्वपूर्ण प्रयोग किस प्रकार किया जा रहा है (आंतरिक उत्तरदायित्व का निर्वहन), वैश्विक समुदाय के प्रति अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन किस प्रकार किया जा रहा है (बाह्य उत्तरदायित्व का निर्वहन) एवं पर्यावरण को बचाने के लिए अपने उत्तरदायित्व का निर्वहन किस प्रकार किया जा रहा है (पर्यावरण उत्तरदायित्व का निर्वहन)। उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक 7 आयाम, 15 दृष्टिकोण एवं 58 संकेतकों को शामिल करते हुए निर्मित किया गया है। विश्व के 154 देशों का इस सूचकांक के आधार पर मूल्यांकन किया गया है। सिंगापुर को इस सूचकांक की रैकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त हुआ है, इसके बाद स्विजरलैंड द्वितीय स्थान पर, डेनमार्क तृतीय स्थान पर, साइप्रस चौथे स्थान पर रहे हैं। भारत को 16वां स्थान प्राप्त हुआ है। विश्व के शक्तिशाली देशों का स्थान उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक की सूची में बहुत निचले स्तर पर पाया गया है। अमेरिका 66वें स्थान पर रहा है, जो लिबिया से भी एक पायदान नीचे है। जापान 38वें स्थान पर रहा है। पाकिस्तान 90वें स्थान पर, चीन 68वें स्थान पर एवं अफगानिस्तान 145वें स्थान पर रहा है।

उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक का निर्माण मुख्य रूप से भारतीय प्रबंधन संस्थान (ढ्ढढ्ढरू), मुंबई एवं जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय, दिल्ली ने मिलकर किया है। इस सूचकांक के निर्माण में 3 वर्षों तक लगातार कार्य किया गया है एवं उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक के निर्माण में विश्व बुद्धिजीवी प्रतिष्ठान का भी सहयोग लिया गया है। उक्त सूचकांक के निर्माण के लिए कुल 154 देशों से विभिन्न मापदंडों पर आधारित वर्ष 2023 तक के सम्बंधित आंकडें इक्ट्ठे किये गए है एवं इन आंकड़ों एवं जानकारी का विश्लेषण करने के उपरांत इस सूचकांक का निर्माण किया गया है। यह आंकड़े एवं जानकारी विश्व बैंक, संयुक्त राष्ट्र संघ, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, विश्व स्वास्थ्य संगठन एवं खाद्य एवं कृषि संस्थान जैसे अंतरराष्ट्रीय संस्थानों से लिए गए है।

आज पूरे विश्व में विभिन्न देशों की आर्थिक प्रगति को सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर से आंका जाता है, यह मॉडल पूंजीवाद पर आधारित है एवं इस मॉडल के अनुसार देश में कृषि, उद्योग एवं सेवा क्षेत्रों में हुए उत्पादन को जोड़कर सकल घरेलू उत्पाद का आंकलन किया जाता है। इस मॉडल में कई प्रकार की कमियां पाई जा रही है। किसी भी देश में पनप रही आर्थिक असमानता, गरीबी रेखा से नीचे जीवन जी रहे नागरिकों की आर्थिक प्रगति, मुद्रा स्फीति, बेरोजगारी एवं वित्तीय समावेशन जैसे विषयों पर उक्त मॉडल के अंतर्गत विचार ही नहीं किया जाता है। अमेरिका सहित विश्व के कई देशों में अब यह मांग की जा रही है कि आर्थिक प्रगति को आंकने के लिए सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि सम्बंधी मॉडल के स्थान पर एक नए मॉडल का निर्माण किया जाना चाहिए।

भारतीय सनातन संस्कृति के अनुसार, किसी भी राष्ट्र में आर्थिक प्रगति तभी सफल मानी जाएगी जब पंक्ति में अंतिम पायदान पर खड़े नागरिक को भी समाज हित में बनाई जा रही आर्थिक नीतियों का लाभ पहुंचे। वर्तमान में, सकल घरेलू उत्पाद के अनुसार आर्थिक प्रगति आंकने के मॉडल में इस प्रकार की व्यवस्था नहीं है इसीलिए कई देशों में गरीब और अधिक गरीब हो रहे है तथा अमीर और अधिक अमीर हो रहे है। नए विकसित किए गए उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक में यह आंकने का प्रयास किया गया है कि शासन प्रणाली किस प्रकार से नैतिक धारणाओं को ध्यान में रखकर अपनी आर्थिक नीतियों का निर्माण कर रही है, राष्ट्र में समावेशी विकास हो रहा है अथवा नहीं एवं राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने दायित्वों के निर्वहन के संदर्भ में सरकार द्वारा किस प्रकार की नीतियां बनाई जा रही हैं। साथ ही, धर्म आधारित सदाचार सम्बंधी भारतीय सभ्यता एवं वैश्विक सुख शांति स्थापित करने के सम्बंध में किस प्रकार देश की नीतियां निर्धारित की जा रही हैं, इस विषय को भी उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक के निर्माण में स्थान दिया गया है।

पश्चिमी देशों की अर्थव्यवस्थाएं आर्थिक प्रगति तो तेज गति से करती दिखाई देती हैं और कई पश्चिमी देश आज विकसित देशों की श्रेणी में शामिल भी हो गए हैं। परंतु, इन देशों में मानवतावादी दृष्टिकोण का पूर्णतः अभाव है। पूंजीवाद पर आधारित अर्थव्यवस्थाओं में केवल 'मैं' के भाव को स्थान प्राप्त है। 'मैं' किस प्रकार आर्थिक प्रगति करुं, इस 'मैं' के भाव में परिवार एवं समाज कहीं पीछे छूट जाता है। इससे पश्चिमी देशों में सामाजिक तानाबाना पूर्णतः छिन्न भिन्न हो रहा है। युवा वर्ग अपने माना पिता की देखभाल करने के लिए तैयार ही नहीं हैं। आज अमेरिका में लगभग 6 लाख बुजुर्ग खुले आसमान के नीचे अपना जीवन यापन करने को मजबूर हैं क्योंकि उनके बच्चे उन्हें अकेला छोड़कर केवल अपना आर्थिक विकास करने में संलग्न हैं। इसी प्रकार की कई सामाजिक कुरीतियों ने पश्चिमी देशों में अपने पैर पसार लिए हैं। पश्चिमी सभ्यता के ठीक विपरीत, भारतीय संस्कृति में 'मैं' के स्थान पर 'हम' के भाव को प्रभावशाली स्थान प्राप्त है। भारतीय सनातन संस्कृति पर आधारित संस्कारों को ध्यान में रखकर ही विभिन्न देशों द्वारा अपने नागरिकों के प्रति उनके उत्तरदायित्व को आंकने का प्रयास उत्तरदायी राष्ट्र सूचकांक के माध्यम से किया गया है।

लोकतंत्र से नवाचार तक मन की बात का बदला हुआ स्वर और भारत की बदलती चेतना

कांतिलाल मांडोत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम मन की बात का 130वां एपिसोड कई मायनों में खास रहा। इस बार का मन की बात केवल सरकारी योजनाओं का विवरण नहीं था बल्कि यह समाज को जोड़ने वाला एक भावनात्मक संवाद भी बना। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर प्रधानमंत्री ने लोकतंत्र के मूल में बसे मतदाता की भूमिका को रेखांकित किया और नए वोटरों के स्वागत को सामाजिक उत्सव बनाने का आह्वान किया। इसके साथ ही उन्होंने स्टार्टअप इंडिया की दस साल की यात्रा पर्यावरण संरक्षण जनभागीदारी सांस्कृतिक चेतना और सामूहिक प्रयासों की शक्ति को एक सूत्र में पिरोया। अगर पिछले मन की बात और इस बार के मन की बात की तुलना की जाए तो यह साफ दिखता है कि संवाद का फोकस अब योजनाओं से आगे बढ़कर नागरिक सहभागिता और सामाजिक जिम्मेदारी की ओर गया है। इस बार के मन की बात की शुरुआत मतदाता दिवस की शुभकामनाओं के साथ हुई। प्रधानमंत्री ने कहा कि मतदाता लोकतंत्र की आत्मा होता है। यह कथन केवल एक औपचारिक वाक्य नहीं था बल्कि इसके साथ उन्होंने एक व्यावहारिक और भावनात्मक सुझाव भी दिया। उन्होंने कहा कि जब कोई युवा पहली बार वोटर बनता है तो पूरे मोहल्ले गांव या शहर को मिलकर उसे बधाई देनी चाहिए और मिठाई बांटनी चाहिए। यह विचार अपने आप में नया नहीं है लेकिन इसे राष्ट्रीय मंच से कहना लोकतंत्र को रोजमर्रा के जीवन से जोड़ने का प्रयास है। पिछले मन की बात में जहां अधिक जोर सरकारी पहलों और उपलब्धियों पर रहा था वहीं इस बार लोकतंत्र को सामाजिक संस्कार बनाने की बात सामने आई। पिछले एपिसोड में प्रधानमंत्री ने विकास योजनाओं और राष्ट्रीय उपलब्धियों का उल्लेख किया था। वहां स्वर अधिकतर सूचनात्मक था। इस बार का स्वर अधिक सहभागी और प्रेरक दिखा। मतदाता को केवल एक अधिकारधारी नागरिक नहीं बल्कि लोकतांत्रिक संस्कृति का वाहक बताया गया। यह बदलाव बताता है कि मन की बात अब केवल सरकार की बात नहीं रह गई है बल्कि समाज की बात बनने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

स्टार्टअप इंडिया पर प्रधानमंत्री की बात इस एपिसोड का एक और मजबूत स्तंभ रही। उन्होंने कहा कि आज भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम बन चुका है। दस साल पहले जिन क्षेत्रों की कल्पना भी कठिन थी आज उन्हीं क्षेत्रों में भारतीय युवा नेतृत्व कर रहे हैं। एआई स्पेस सेमीकंडक्टर ग्रीन हाइड्रोजन बायोटेक्नोलॉजी और मोबिलिटी जैसे क्षेत्रों का उल्लेख करते हुए उन्होंने युवाओं को सलाम किया। पिछले मन की बात में भी नवाचार का जिक्र हुआ था लेकिन इस बार यह जिक्र स्मृति और गर्व के भाव के साथ आया। सोशल मीडिया पर 2016 की तस्वीरें साझा करने के ट्रेंड को उन्होंने स्टार्टअप इंडिया की शुरुआत से जोड़ा। इससे यह संदेश गया कि बीते दस वर्षों का सफर केवल सरकारी नहीं बल्कि युवाओं का सामूहिक सफर है।

यहां भी तुलना करने पर फर्क साफ दिखता है। पहले नवाचार को नीति और योजना के रूप में प्रस्तुत किया गया था। इस बार नवाचार को एक जनआंदोलन और युवा आकांक्षा के रूप में रखा गया। यह बदलाव मन की बात के स्वर को अधिक मानवीय बनाता है।

पर्यावरण संरक्षण पर प्रधानमंत्री की बात इस एपिसोड में विशेष महत्व रखती है। उन्होंने तमसा नदी का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे जनभागीदारी से एक नदी को नया जीवन मिला। इसी तरह आंध्र प्रदेश के अनंतपुर में जलाशयों के पुनर्जीवन और हजारों पेड़ों के रोपण का उल्लेख किया। उन्होंने यह भी कहा कि पर्यावरण संरक्षण हमेशा बड़े अभियानों से ही नहीं होता बल्कि छोटे प्रयास भी बड़ा बदलाव ला सकते हैं। बेनॉय दास और जगदीश प्रसाद अहिरवार जैसे व्यक्तियों का उदाहरण देकर उन्होंने यह दिखाया कि व्यक्तिगत संकल्प भी राष्ट्रीय परिवर्तन का आधार बन सकता है।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने सुनी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने रविवार को दून लाइब्रेरी, निकट परेड ग्राउंड, देहरादून में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात के 130वें एपिसोड को सुना।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राष्ट्रीय मतदाता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मन की बात कार्यक्रम का हर एपिसोड प्रेरणादायी होता है। समाज में सामान्य परिस्थितियों में अनवरत सेवा करने वाले लोगों को इस कार्यक्रम के माध्यम से देश दुनिया जानती है। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने मन की बात कार्यक्रम को आमजन और जन-जन का कार्यक्रम बनाया है। इसके माध्यम से अन्य लोग भी प्रेरित होते हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश के अंदर कई नवाचार हो रहे हैं। आज इनोवेशन, साइंस, टेक्नोलॉजी एवं ए.आई हर दृष्टि से भारत आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री ने ए.आई के बढ़ते प्रभाव पर बोलते हुए कहा कि आने वाले समय में सभी कामों में एआई की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। जो काम कई दिनों में होता है वह महज कुछ ही घंटे में हो जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा राज्य के अंदर एआई के उपयोग हेतु साइंस आईटी टेक्नोलॉजी से संबंधित विभाग कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा प्रधानमंत्री की प्रेरणा से राज्य सरकार ने अनेक ऐसे निर्णय लिए हैं जो राज्य में पहली पहली बार हुए हैं। उन्होंने कहा आज पूरे देश के अंदर हमारे राज्य तस्वीर ऐसे स्थापित हो गई है कि जहां पर अनेक ऐतिहासिक निर्णय लिए गए हैं। 27 जनवरी को यूसीसी लागू करने के पूरे एक साल हो जाएंगे।

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में हमने 2022 विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की जनता के सामने समान नागरिक संहिता लागू करने का वादा किया था, जिसे हमने पूरा किया है। उन्होंने कहा हमारा राज्य एक सीमावर्ती क्षेत्र है। यहाँ चार धाम, गंगा, यमुना का उद्गम स्थान है। सुरक्षा की दृष्टि से भी हमारा राज्य बेहद संवेदनशील है ऐसे में राज्य में रहने वाले सभी लोगों के लिए एक समान कानून लागू होना चाहिए था और हमने ऐसा करके दिखाया है।

मुख्यमंत्री ने सभी से आग्रह किया कि केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा चलाई जा रही जन कल्याणकारी योजनाओं एवं राज्य स्तर पर लिए निर्णयों को जन-जन तक पहुंचने में सभी आगे आए। जिससे कि अधिक से अधिक लोग योजनाओं से लाभान्वित हो सके।

इस अवसर पर विधायक खजान दास, विधायक सुरेश गढ़िया, मीडिया सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रो. गोविंद बिष्ट, अनिल गोयल, संजय नेगी, दायित्वधारी रजनी रावत एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

सन्तों ने किया हरकी पौड़ी से हिंदुओं से एकजुटता का आह्वान, हरकी पैड़ी पर अहिन्दू प्रवेश पर रोक की सराहना

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष कार्यक्रमों की श्रृंखला में श्रीगंगा हिन्दू सम्मेलन समिति के तत्वाधान में हरकी पौड़ी पर विराट हिन्दू सम्मेलन का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर स्वामी हरिचेतनानंद गिरी महाराज रहे। उन्होंने हिन्दू समाज का आह्वान करते हुए कहा कि आज समय अनुकूल है यदि हम अब जाग्रत नहीं हुए तो भविष्य हमें कभी माफ नहीं करेगा।

उन्होंने कहा कि आज हिन्दूओ को जात-पात, ऊंच-नीच के नाम पर वर्षो से बांटने का काम चल रहा है, जिससे हिंदुओ को सचेत रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि हरकी पैड़ी गंगा घाट पर अहिन्दूओं के प्रवेश निषेध की पहल बहुत ही सहरानीय है। हिन्दू धर्मिक स्थलों पर जिहादी मानसिकता वालो को प्रवेश का अधिकार होना ही नही चाहिए। मुख्य वक्ता राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रान्त प्रचारक डॉ. शैलेन्द्र ने कहा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में आयोजित होने वाले हिंदू सम्मेलनों का मुख्य उद्देश्य है। हिंदुओं को एकजुट व अपनी धर्म संस्कृति परंपराओं के पुनर्जागरण का अवसर है। उन्होंने कहा कि आज हिंदुत्व पर पूरे विश्व में प्रहार हो रहा है जहां-जहां हिंदू घटा है वहां वहां हिंदू बांटा है। हमारे पड़ोसी देशों में हिंदुओं की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि उत्तराखंड में डेमोग्राफी चेंज हुई है वह साफ संकेत है कि आने वाले वर्षों में उत्तराखंड की स्थिति क्या होगी। देवभूमि कहे जाने वाली इस पवित्र भूमि पर ही हिंदू मठ मंदिरों में असुरक्षा का माहौल बन जाएगा। उन्होंने कहा कि आज हिंदू शक्ति में है, तो आवश्यकता है कि अपनी शक्ति के अनुरूप अपना आचरण रखें, और जो हमारे साथी जात-पात के नाम पर हमसे अपने को अलग करे हुए हैं उन्हें अपने में जोड़े, हिंदू धर्म जोड़ने का भाव रखता है। हिंदू धर्म में जो भी आया उसे सह्दय सभी ने स्वीकार किया है आज हिंदुत्व से प्रभावित होकर हजारों लोग सात्विक जीवन जी रहे हैं। उन्होंने हरिद्वार कुंभ क्षेत्र को हिंदू पवित्र स्थल घोषित किए जाने की मांग का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि यदि हमारी धर्म संस्कृति बची रहेगी तभी देश उन्नति कर पाएगा।

कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि महामंडलेश्वर साध्वी मैत्री गिरी ने कहा कि हिंदू समाज आज सशक्त है वर्तमान में हिंदुत्व का अमृत काल चल रहा है, इस अमृत काल में हमें अपने उन भाई बहनों को भी अपने साथ जोड़ना है जो किन्हीं कारणों से हमसे दूर हो गए थे।

अतिथियों का धन्यवाद करते हुए समिति के संरक्षक व गंगा सभा के अध्यक्ष नितिन गौतम ने कहा कि हर की पौड़ी पर अहिंदू प्रवेश निषेध के बोर्ड लगे हैं इसका अर्थ सिर्फ इतना ही समझा जाए कि जो जिहादी मानसिकता रखता है वह किसी भी सूरत में यहां पर प्रवेश न करें। उन्होंने कहा कि सिख, जैन, बौद्ध हमारे भाई हैं और यह हिंदू धर्म का ही एक पथ है। सैकड़ों सिख भाई अपने परिजनों की अस्थियां मां गंगा में प्रवाहित करने आते है। उन्होंने हिंदुओं का आवाहन करते हुए कहा कि हमें अपने धार्मिक स्थलों की पवित्रता बनाए रखने के लिए जागरूक होना पड़ेगा। यदि हम अपनी धर्म संस्कृति को संरक्षित कर सके तो ही हम आने वाली पीढ़ियों को कुछ दे सकेंगे।

इस अवसर पर जिला संघचालक डॉ. यतींद्र नाग्यान,नगर संघचालक एडवोकेट ज्ञानेश ठकराल, विभाग प्रचारक राकेश जी,जिला सह कार्यवाह संजय जी,नगर विधायक मदन कौशिक,विद्या भारती प्रान्त निरीक्षक विजयपाल सिंह,रमेश उपाध्याय, अमित चौहान,अनिल गुप्ता,डॉ. शिव शंकर जायसवाल,पंडित अधिर कौशिक,अमित त्यागी,गुरमीत सिंह,महामंत्री संजीव चौधरी व हीरा सिंह बिष्ट,पूर्व विधायक संजय गुप्ता,दर्जाधारी राज्यमंत्री ओमप्रकाश जमदग्नि,संदीप गोयल,आशु चौधरी,कन्हैया खेवड़िया,विनीत जौली,तरुण नैय्यर,अनिरुद्ध भाटी,आयोजन समिति के कमल बृजवासी, प्रभुदयाल अग्रवाल, दीपक भारती,डॉ. राहुल उपाध्याय, नगर कार्यवाह डॉ. अनुराग वत्स,सह कार्यवाह अभिषेक जमदग्नि,उप नगर कार्यवाह अमित अग्रवाल,पार्षद सुमित चौधरी,सूरज शर्मा,अर्पित अग्रवाल आदि मुख्य रूप से शामिल रहे। संयोजक उज्जवल पंडित ने कार्यक्रम का संचालन किया।

डीएवी देहरादून में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए भव्य आशीर्वाद समारोह

पथ प्रवाह, देहरादून।

डीएवी पब्लिक स्कूल, डिफेंस कॉलोनी, देहरादून में कक्षा 12 के विद्यार्थियों के लिए आशीर्वाद समारोह का आयोजन भारतीय संस्कृति एवं वैदिक परंपराओं के अनुरूप अत्यंत गरिमामय वातावरण में किया गया। समारोह की शुरुआत परमपिता परमात्मा के चरणों में श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ हवन द्वारा की गई।

प्रातःकालीन बेला में कक्षा 11 के विद्यार्थियों ने प्रधानाचार्या शालिनी समाधिया, सम्मानित शिक्षक-शिक्षिकाओं तथा कक्षा 12 के विद्यार्थियों के मस्तक पर चंदन व रोली का तिलक लगाकर उनका आत्मीय स्वागत किया। इसके उपरांत कक्षा 12 के छात्र यज्ञ वेदी के समक्ष उपस्थित हुए और आगामी बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन की मंगलकामना के साथ विधिवत हवन अनुष्ठान में आहुतियाँ दीं। सकारात्मक सोच, उज्ज्वल भविष्य और सफलता की भावना से परिपूर्ण इस अनुष्ठान के अंत में प्रधानाचार्या सहित समस्त शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा विद्यार्थियों पर पुष्पवर्षा कर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में कक्षा 11 के विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ समारोह का विशेष आकर्षण रहीं। नृत्य-नाटिका, मंत्रमुग्ध कर देने वाले नृत्य एवं भावपूर्ण गीतों के माध्यम से उन्होंने कक्षा 12 के साथ बिताए खट्टे-मीठे पलों को सजीव कर दिया, जिससे वातावरण भावुकता से भर उठा।

विद्यालय की हेड गर्ल श्रेया ध्यानी ने अपने विदाई भाषण में विद्यालय में बिताए प्रत्येक क्षण को जीवन का अविस्मरणीय अध्याय बताते हुए सभी शिक्षकों तथा प्रधानाचार्या के मार्गदर्शन व सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। वहीं हेड बॉय कार्तिकेय बर्थवाल ने भी विद्यालय में बिताए सुखद अनुभवों को साझा करते हुए सभी का धन्यवाद किया। विद्यार्थियों ने अपने अनुभव व्यक्त करते हुए भावविभोर होकर विदाई ली। इस अवसर पर वरिष्ठ अध्यापक साउद जैदी ने विद्यार्थियों को आशीर्वचन देते हुए नकारात्मकता त्यागकर सकारात्मक सोच अपनाने, आत्मविश्वास एवं अनुशासन के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी तथा सरस्वती माता के आशीर्वाद की कामना की। समारोह में मिस्टर डीएवी का सम्मान यश डिमरी को तथा मिस डीएवी का ताज श्रेया ध्यानी को पहनाया गया। विद्यार्थियों को उनके संबंधित क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर विशिष्ट उपाधियों से सम्मानित किया गया। विज्ञान के क्षेत्र में हरगोविंद खुराना उपाधि अर्णव भारद्वाज को, सी. वी. रमन उपाधि आर्यन रावत को, श्रीनिवास रामानुजन उपाधि अमोघ उनियाल को, प्रफुल्ल चंद्र रे (रसायन विज्ञान) उपाधि यथार्थ सेमवाल को तथा अमर्त्य सेन उपाधि धैर्य बब्बर को प्रदान की गई। गीता गोपीनाथ (अर्थशास्त्री) के सम्मान से प्रार्थना भट्ट को अलंकृत किया गया। इसके अतिरिक्त डीएवी कंप्यूटर गीक सूर्यांश नेगी, आईपी विजार्ड वैभवी शर्मा, मिस हॉस्पिटैलिटी स्नेहा चौहान एवं प्राची जोशी तथा सर्वश्रेष्ठ रचनात्मक लेखिका (हिंदी) आयुषी बडोनी सहित अनेक विद्यार्थियों को विभिन्न उपाधियों से सम्मानित किया गया। विद्यालय की मैनेजर डॉ. अल्पना शर्मा ने अपने संदेश में कहा कि डीएवी संस्थान का उद्देश्य केवल परीक्षा परिणाम तक सीमित नहीं है, बल्कि विद्यार्थियों में संस्कार, अनुशासन, आत्मविश्वास और नैतिक मूल्यों का विकास करना है। उन्होंने कहा कि कक्षा 12 के विद्यार्थी विद्यालय की पहचान हैं और उन्हें विश्वास है कि ये छात्र न केवल बोर्ड परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करेंगे, बल्कि जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विद्यालय व अपने परिवार का नाम रोशन करेंगे।

समारोह का समापन विद्यार्थियों द्वारा बोर्ड परीक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने तथा डीएवी के मूल्यों को सदैव अपने जीवन में आत्मसात करने की सामूहिक प्रतिज्ञा के साथ हुआ। प्रधानाचार्या शालिनी समाधिया ने विद्यार्थियों को परिश्रम, धैर्य और आत्मविश्वास के साथ परीक्षा देने, प्रश्नपत्र को ध्यानपूर्वक पढ़ने और बिना भय के आगे बढ़ने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि यह अंत नहीं, बल्कि एक नई यात्रा की शुरुआत है। अंत में सफल आयोजन के लिए सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं, विद्यार्थियों एवं आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त किया गया।

यति नरसिंहानंद गिरी को बॉर्डर पर रोका, संत समाज से की यूजीसी एक्ट का विरोध करने की अपील

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

शिवशक्ति धाम डासना के पीठाधीश्वर व श्रीपंचदशनाम जूना अखाड़े के महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज को उत्तराखंड आने से रोक दिया गया। रविवार को वह अपने वर्ल्ड रिलिजियस कन्वेंशन की मुख्य संयोजक डॉ उदिता त्यागी और अपने शिष्य यति रणसिंहानंद, यति अभयानंद, यति धर्मानंद, मोहित बजरंगी और डॉ योगेन्द्र योगी के साथ हरिद्वार के सर्वानंद घाट पर आ रहे थे। यहां वह यूजीसी एक्ट पर संत समाज के मौन के विरोध में एक दिन का सांकेतिक उपवास करने आ रहे थे। परंतु उत्तराखंड पुलिस ने उन्हें उत्तराखंड बॉर्डर पर ही रोक दिया।

महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने इसे अपने लोकतांत्रिक अधिकारों का हनन करार देते हुए इसका कड़ा विरोध किया। परन्तु भारी पुलिस बल के सामने उनके हाथ निराशा लगी। महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज का कहना है कि यूजीसी एक्ट अरब देशों विशेष रूप से संयुक्त अरब अमीरात की योजनाओं का हिस्सा है। आज वैश्विक इस्लामिक थिंक टैंक का मानना है कि जब तक भारत से ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य डीएनए को नहीं बदला जाएगा तब तक भारत का पूर्ण इस्लामीकरण संभव नहीं है। भारत के इस्लामीकरण के बिना पूरी दुनिया के इस्लामीकरण का लक्ष्य कभी भी पूरा नहीं हो सकता। इतने दमन और अत्याचारों के बाद भी ब्राह्मण, क्षत्रिय और वैश्य समाज सनातन धर्म की ढाल बन कर खड़े थे। अगर यह ढाल हट जाए तो भारत के इस्लामीकरण को कोई नहीं रोक सकता। इसीलिए उन्होंने भारत के मौलानाओं के माध्यम से आरएसएस के नेताओं को अपनी पकड़ में लेकर ये यूजीसी एक्ट लागू करवाया है।वास्तव में यह यूजीसी एक्ट हिन्दू समाज का डेथ वारंट है। उत्तर प्रदेश उत्तराखंड बॉर्डर से ही महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज ने संत समाज से अपील करते हुए कहा कि इस षड्यंत्र पर संत समाज का मौन सनातन धर्म के महाविनाश का संकेत है। इतने बड़े षड्यंत्र पर सनातन का संत समाज मौन कैसे रह सकता है? यह षड्यंत्र समूचे हिंदू समाज को जातीय युद्ध की ज्वाला में झोंक देगा। अब भी अगर संत समाज मौन रह गया तो सनातन धर्म को कोई नहीं बचा सकेगा। इससे पहले बसन्त पंचमी 23 जनवरी को इसी यूजीसी एक्ट का विरोध करने महामंडलेश्वर यति नरसिंहानंद गिरी महाराज अपने साथियों के साथ दिल्ली जंतर मंतर पर प्राणदान करने जा रहे थे, परन्तु गाजियाबाद पुलिस ने शिवशक्ति धाम डासना गाजियाबाद को पुलिस छावनी बना कर उनको मंदिर में ही नजरबंद कर दिया था।

विवेकपूर्ण मतदान ही सशक्त राष्ट्र की प्रथम सीढ़ीः श्रीमहन्त रविन्द्रपुरी

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन प्रकोष्ठ, निर्वाचन साक्षरता क्लब, स्वीप तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के संयुक्त तत्वाधान में 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस' के अवसर पर भव्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। एस.एम.जे.एन. पी.जी. कॉलेज, हरिद्वार में हुए इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद एवं कॉलेज प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष श्रीमहन्त रविन्द्रपुरी ने कहा कि राष्ट्र के संविधान ने सभी को मतदान का अधिकार दिया है, परन्तु समाज में जागरूकता की कमी है। उन्होंने अपील की कि विवेकपूर्ण मतदान ही एक मजबूत एवं स्थायी सरकार चुन सकता है, जो सशक्त राष्ट्र का मार्ग प्रशस्त करती है। महाविद्यालय के प्राचार्य एवं ए.ई.आर.ओ. प्रोफेसर सुनील कुमार बत्रा ने छात्र-छात्राओं, स्टाफ तथा उपस्थित बी.एल.ओ. को लोकतांत्रिक निष्ठा एवं निष्पक्ष मतदान की शपथ दिलाई। प्रो. बत्रा ने कहा कि लोकतांत्रिक मूल्यों को बनाए रखने का उत्तरदायित्व शिक्षण संस्थाओं पर है और युवा पीढ़ी को एक-एक वोट के मूल्य को समझना चाहिए, क्योंकि मतदाता ही समस्त निर्वाचनों की धुरी होता है। कार्यक्रम को रोचक बनाने हेतु 'सेल्फी पॉइंट' भी स्थापित किया गया। इस अवसर पर 'मेरा भारत मेरा वोट' विषय पर आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणामों की घोषणा की गई। पोस्टर प्रतियोगिता में बी.एससी. की प्रेरणा एवं अन्नू ने प्रथम, बी.ए. की प्रिया रघुवंशी ने द्वितीय तथा बी.एससी. की कशिश ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि बी.ए. की तानिया को सांत्वना पुरस्कार मिला। निबन्ध प्रतियोगिता में बी.एससी. की मयूरी प्रथम, ज्योति सक्सेना द्वितीय तथा बी.ए. की निक्की तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं, स्लोगन प्रतियोगिता में बी.एससी. की स्नेहा सिंघल ने प्रथम, बी.कॉम. के नितिन कुमार ने द्वितीय तथा एम.ए. की निधि कुमारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया, जबकि प्रेरणा एवं अन्नू को सांत्वना पुरस्कार से नवाजा गया।

एस.एम.जे.एन. (पी.जी) कॉलेज
'राष्ट्रीय मतदान दिवस'
25 जनवरी
सशक्त लोकतंत्र, मजबूत गणतंत्र

प्रतियोगिता में डॉ. मोना शर्मा, अंजलि शर्मा तथा दीपिका आनंद ने निर्णायक की भूमिका निभाई। कार्यक्रम के अंत में मुख्य अतिथि श्रीमहंत रविन्द्रपुरी ने क्षेत्र के बी.एल.ओ. एवं पर्यवेक्षकों को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित किया। इस अवसर पर डॉ. मनमोहन गुप्ता, प्रो. जे.सी. आर्य, डॉ. शिवकुमार चौहान, डॉ. पद्मावती तनेजा, डॉ. सरोज शर्मा, डॉ. लता शर्मा, डॉ. आशा शर्मा, डॉ. विजय शर्मा, डॉ. मीनाक्षी शर्मा, डॉ. पूर्णिमा सुंदरियाल, डॉ. पल्लवी, विनीत सक्सेना, वैभव बत्रा, पंकज भट्ट एवं मोहन चंद्र पांडेय सहित भारी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

एक नजर

'आवाज़ सुनो पहाड़ों की' फिल्म फेस्टिवल 2026 में शामिल हुए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी

पथ प्रवाह, देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र में

आयोजित 'आवाज़ सुनो पहाड़ों की - फिल्म फेस्टिवल 2026' में प्रतिभाग किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने हिमालयन सांस्कृतिक केंद्र के प्रेक्षागृह के सौंदर्यीकरण की घोषणा की। कार्यक्रम के दौरान 'आवाज़ सुनो पहाड़ों की - सीजन 2' का भव्य शुभारंभ किया गया तथा 'श्रद्धा सम्मान' पुस्तिका का विमोचन भी किया गया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह आयोजन केवल एक फिल्म फेस्टिवल नहीं, बल्कि उत्तराखंड को वैश्विक फिल्म निर्माण केंद्र के रूप में स्थापित करने की दिशा में एक सशक्त पहल है। ऐसे आयोजनों से राज्य की लोक-संस्कृति, खान-पान और प्राकृतिक सौंदर्य का व्यापक प्रचार-प्रसार होता है तथा स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच मिलता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि सिनेमा समाज को जागरूक करने का प्रभावी माध्यम है, जिसने हर दौर में सामाजिक मुद्दों को मजबूती से प्रस्तुत किया है। उत्तराखंड की प्राकृतिक सुंदरता, धार्मिक स्थल और सांस्कृतिक विरासत फिल्मकारों के लिए आकर्षण का केंद्र हैं। राज्य सरकार उत्तराखंड को एक सशक्त फिल्म हब के रूप में विकसित करने के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने बताया कि नई फिल्म नीति के तहत हिंदी और अन्य भाषाओं की फिल्मों को 3 करोड़ रुपये तक तथा कुमाऊंनी, गढ़वाली और जौनसारी फिल्मों को 2 करोड़ रुपये तक की सब्सिडी दी जा रही है। ऑनलाइन अनुमति, सिंगल विंडो सिस्टम और शून्य शूटिंग शुल्क से फिल्मकारों को बड़ी सुविधा मिली है। राज्य का ओटीटी प्लेटफॉर्म 'वीडियोज़ अलार्म' 18 से अधिक देशों तक पहुंच बना चुका है।

कार्यक्रम में विधायक उमेश शर्मा 'काऊ', प्रसिद्ध अभिनेत्री हिमानी शिवपुरी, सचिव संस्कृति युगल किशोर पंत, आयोजक नरेन्द्र रौथाण, संस्कृति विभाग के अधिकारी तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

प्री एसआईआर में संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की ने किया उत्कृष्ट कार्य, राज्यपाल के हाथों मिला सम्मान

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

निर्वाचक नामावलियों के शुद्धिकरण एवं अद्यतन के लिए संचालित प्री-स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (क्क्द्ध-स्ढ्ढक्र) कार्यक्रम के अंतर्गत इलेक्टर मैपिंग में किए गए उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य के लिए संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की दीपक रामचंद्र को 16वें नेशनल वोटर डे पर राज्यपाल (लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह) द्वारा सर्टिफिकेट ऑफ अचीवमेंट प्रदान किया गया।

इस अवसर पर संयुक्त मजिस्ट्रेट रुड़की ने कहा कि यह उपलब्धि किसी एक अधिकारी की व्यक्तिगत सफलता नहीं है, बल्कि तहसील रुड़की की संपूर्ण निर्वाचन टीम–जिसमें निर्वाचन कार्यालय, राजस्व विभाग, बीएलओ, सुपरवाइज़र, डाटा टीम तथा फील्ड स्तर पर कार्यरत सभी कार्मिकों का सामूहिक योगदान शामिल है, कि कड़ी मेहनत और समन्वित प्रयासों का परिणाम है। उन्होंने यह भी कहा कि यह कार्य जनपद हरिद्वार के जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं नेतृत्व में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया।

16 National Voters' Day
My Vote

प्री-एसआईआर अभियान के दौरान मतदाता सूची को अधिक पारदर्शी, त्रुटिरहित एवं अद्यतन बनाने के उद्देश्य से की गई इलेक्टर मैपिंग प्रक्रिया में जनपद हरिद्वार द्वारा अपनाई गई कार्यप्रणाली की सराहना उच्च स्तर पर की गई है। यह सर्टिफिकेट ऑफ अचीवमेंट पूरे जनपद हरिद्वार के लिए गर्व का विषय है तथा भविष्य में भी निर्वाचन प्रक्रिया (क्क्द्ध-स्ढ्ढक्र) को और अधिक सुदृढ़, पारदर्शी एवं नागरिक-केंद्रित बनाने के लिए सभी संबंधित कार्मिकों को प्रेरणा प्रदान करेगा।

ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत हरिद्वार पुलिस का नशा तस्करों पर प्रहार

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन के तहत हरिद्वार पुलिस नशा तस्करों पर लगातार कड़ा प्रहार कर रही है। इसी क्रम में पुलिस ने एक नशा तस्कर को अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस का साफ संदेश है कि देवभूमि में अवैध नशे का कारोबार किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं होगा।

मुख्यमंत्री उत्तराखंड सरकार द्वारा संचालित 'ड्रग्स फ्री देवभूमि मिशन' के अंतर्गत जनपद हरिद्वार को नशा मुक्त बनाने हेतु अवैध नशे (अवैध शराब/स्मैक/हेरोइन/चरस/गांजा आदि) के कारोबार में संलिप्त तस्करों के विरुद्ध हरिद्वार पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी अभियान चलाया जा रहा है।

अभियान को सफल बनाने के क्रम में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, हरिद्वार द्वारा जनपद के समस्त थाना प्रभारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं। आदेशों के अनुपालन में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली रूड़की द्वारा नशा तस्करों के विरुद्ध सघन अभियान चलाया गया। पुलिस टीम द्वारा बूचड़ी फाटक, रूड़की के पास चेकिंग के दौरान संदिग्ध आशु को 7.32 ग्राम अवैध स्मैक के साथ दबोचा। हिरासत में लेने के उपरांत आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली रूड़की पर मु0अ0सं0 26/2026 एनडीपीएस एक्ट के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही प्रचलित अमल में लायी जा रही है।

16 वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस पर एडीएम दीपेंद्र नेगी ने दिलायी शपथ

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर जिला कार्यालय सभागार रोशनाबाद में राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीपेंद्र नेगी अपर जिलाधिकारी हरिद्वार ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अपर जिलाधिकारी ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए सभी को सभी निर्वाचनों में अपने मताधिकार का प्रयोग बिना किसी भय, प्रलोभन, व बिना किसी भेद भाव के अपना मताधिकार का प्रयोग करना है।

कार्यक्रम का संचालन करते हुए डॉ संतोष कुमार चमोला ने बताया कि वर्ष 25 जनवरी 1950 को भारत निर्वाचन आयोग की स्थापना हुई थी तथा 25 जनवरी 2011 को 60 वर्ष पूरे होने पर इसे राष्ट्रीय मतदाता दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। इसके उपरांत प्रत्येक वर्ष 25 जनवरी को संपूर्ण देश में लोकतंत्र में मतदाताओं की शत-प्रतिशत भागीदारी बढ़ाने मतदाता जागरूकता गतिविधियों एवं नवीन पंजीकृत मतदाताओं को लोकतंत्र के प्रति उनके दायित्वों के महत्व को समझने के लिए राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। इस वर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस का विषय है 'My India, My Vote ' तथा इसका सूत्र वाक्य अर्थात टैगलाइन है 'Indian Citizen at the Heart of Indian Democarcy' है।

इसके उपरांत भारत निर्वाचन आयोग द्वारा प्रेषित गीत 'मैं भारत हूं' का प्रसारण किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि द्वारा समस्त उपस्थित अतिथियों, छात्र-छात्राओं, अधिकारियों, राजकीय कार्मिकों, गणमान्य नागरिकों तथा प्रथम एवं नवीन मतदाता आदि को मतदाता शपथ दिलाई गई। मुख्य अतिथि एवं विशिष्ट अतिथि ने स्वीप हरिद्वार द्वारा वर्ष 2025 में आयोजित मतदाता जागरूकता संबंधी गतिविधियों को प्रदर्शित करते हुए तैयार किए गए वार्षिक कैलेंडर तथा राज्य मस्कट सुम्याल और सरूली आधारित बैज का अनावरण किया गया। जिसे समस्त उपस्थित गणमान्य लोगों को लगाया गया। इसके उपरांत मुख्य अतिथि एवं सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, हरिद्वार ने 18 से 19 आयु वर्ग के प्रथम एवं युवा मतदाताओं आदित्य, उन्नति, अक्षिता आदि को पहचान पत्र तथा बैज अलंकृत कर सम्मानित किया गया। तत्पश्चात डॉ संतोष कुमार चमोला प्रभारी जनपद स्वीप प्रकोष्ठ, हरिद्वार में पावर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से पिछले वर्ष स्वीप के अंतर्गत किए गए मतदाता जागरूकता से संबंधित कार्यों को प्रदर्शित करते हुए अवगत कराया कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा इस वर्ष चयनित थीम के अनुसार जनपद में विभिन्न स्तर जैसे विद्यालय, सकुल, विकासखंड तथा जनपद स्तर पर मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत चित्रकला, स्लोगन लेखन, निबंध, रील निर्माण जैसी विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कराया गया। राष्ट्रीय मतदाता दिवस 2026 के अवसर पर जिला कलेक्ट्रेट सभागार के मुख्य द्वार पर मतदाता जागरूकता के उद्देश्य से श्री आनंदमई सेवा सदन इंटर कॉलेज की शिक्षिका दीपा शर्मा तथा बालिकाओं कनक, मन्नत, निधि, शिवानी, माही, जेसिका, कंचन द्वारा इस वर्ष निर्धारित थीम आधारित रंगोली निर्मित की गईद्ध मुख्य अतिथि, विशिष्ट अतिथि एवं सभी उपस्थित अतिथियों और सदस्यों द्वारा ने रंगोली का अवलोकन किया। मुख्य अतिथि ने अपने संबोधन में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर विभिन्न स्तरों पर छात्र-छात्राओं, अधिकारियों, राजकीय कार्मिकों, गणमान्य नागरिकों तथा आम जनमानस की सक्रिय प्रतिभागिता पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए सभी को लोकतंत्र के इस महान पर्व पर हार्दिक बधाई प्रेषित की।

गणतंत्र दिवस
26 JANUARY

समस्त देशवासियों को
गणतंत्र दिवस की
हार्दिक शुभकामनाएं

मुनीश कुमार सैनी
अध्यक्ष
श्री ओम विश्वविद्यालय व पूर्व प्रत्याशी
विधानसभा भारतीय जनता पार्टी, सह प्रभारी
ओबीसी मोर्चा उत्तर प्रदेश

HEC
GROUP OF INSTITUTIONS
SINCE 2002

JANUARY
HAPPY REPUBLIC DAY
Let us not forget the rich heritage of our country
and feel proud to be part of this nation

HEC GROUP OF INSTITUTIONS
Campus: Jagjeetpur, Laksar Road, Kankhal, Haridwar-249408 (Uttarakhand)
www.heccollege.edu.in

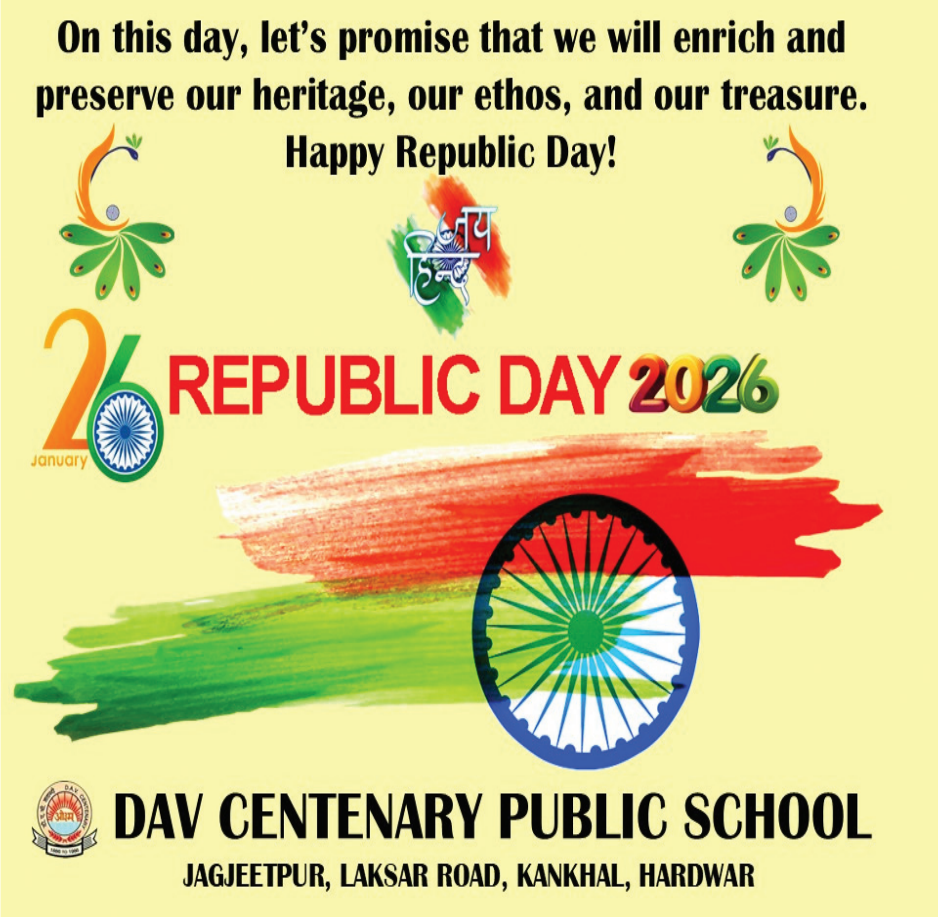

On this day, let's promise that we will enrich and
preserve our heritage, our ethos, and our treasure.
Happy Republic Day!

REPUBLIC DAY 2026

DAV CENTENARY PUBLIC SCHOOL
JAGJEETPUR, LAKSAR ROAD, KANKHAL, HARDWAR

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी वसंतोत्सव 2026 मैथिली ठाकुर नाइट में हुए सम्मिलित

पथ प्रवाह, देहरादून

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी भरत मंदिर, ऋषिकेश में आयोजित वसंतोत्सव 2026 - मैथिली ठाकुर नाइट में सम्मिलित हुए। गंगा के पावन तट पर आयोजित इस भव्य एवं भक्तिमय कार्यक्रम में बड़ी संख्या में साधु-संतों, स्थानीय नागरिकों, जनप्रतिनिधियों तथा देश-प्रदेश के विभिन्न कोनों से आए श्रद्धालुओं ने सहभागिता की।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने पतित-पावनी मां गंगा के श्रीचरणों में नमन करते हुए कहा कि मधुबनी की शान, भजनों एवं लोकगीतों की स्वर साधिका तथा देश की सबसे युवा विधायक मैथिली ठाकुर जैसी प्रतिभा का योगनगरी ऋषिकेश की पावन धरा पर आगमन सभी के लिए सौभाग्य का विषय है। उन्होंने पूज्य संतगणों एवं देश-प्रदेश से पधारे श्रद्धालुओं का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया।

मुख्यमंत्री ने इस विशिष्ट कार्यक्रम के लिए आयोजकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि गंगा के पवित्र तट पर आयोजित यह बसंतोत्सव भजन संध्या संस्कृति और संगीत के अनुपम संगम के माध्यम से लोक संस्कृति और सनातन परंपरा को जन-जन तक पहुंचाने का सराहनीय प्रयास है। उन्होंने

हर्षोकेश
बसंतोत्सव

ऋषिकेश बसंतोत्सव समिति को इस भव्य और भक्तिमय आयोजन के लिए बधाई दी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि ऋषिकेश आधुनिक योग और अध्यात्म का प्रमुख केंद्र होने के साथ-साथ सनातन संस्कृति की प्राचीन पुण्य भूमि भी है। सतयुग में इस धरा पर महर्षि रैभ्य को भगवान विष्णु के दर्शन हुए, त्रेतायुग में भगवान श्रीराम ने रावण वध के पश्चात यहीं तपस्या की तथा भरत जी ने भगवान नारायण की स्थापना कर पूजन किया। कालांतर में आदि गुरु शंकराचार्य द्वारा भी इस भूमि पर विशेष पूजन किया गया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैथिली ठाकुर ने अपनी साधना, प्रतिभा और संकल्प से यह सिद्ध किया है कि समर्पण, परिश्रम, भक्ति और सेवा भाव से समाज में बड़ा परिवर्तन लाया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मैथिली ठाकुर की जीवन यात्रा यह दर्शाती है कि कला और संस्कृति केवल मंच तक सीमित नहीं रहती, बल्कि समाज सेवा और राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा भी बनती है। जब आज अनेक युवा पश्चिमी संगीत की ओर आकर्षित हो रहे हैं, तब मधुबनी से निकली इस युवा प्रतिभा ने अपनी जड़ों से जुड़े रहते हुए मैथिली और भोजपुरी लोक संगीत को जन-जन तक पहुंचाया है। उन्होंने वर्ष 2024 में प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा उन्हें 'कल्चरल एंबेसडर ऑफ द ईयर' के नेशनल क्रिएटर्स अवॉर्ड से सम्मानित किए जाने का उल्लेख भी किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारे शास्त्रों में गीत और संगीत के माध्यम से की गई उपासना को ईश्वर से सीधे संवाद का मार्ग बताया गया है। सच्चे मन से की गई स्वर साधना कलाकार को समाज का पथ-प्रदर्शक बना देती है। उन्होंने कहा कि मैथिली ठाकुर जैसी विभूतियां यह स्मरण कराती हैं कि भारत की आत्मा आज भी गांवों की चौपालों, मंदिरों की घंटियों, लोकगीतों की धुनों और मां गंगा की लहरों में जीवित है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में आज सनातन संस्कृति की धर्मध्वजा विश्व में गर्व के साथ फहरा रही है। अयोध्या में श्रीराम मंदिर, बद्रीनाथ-केदारनाथ धामों का पुनर्निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और महाकाल लोक जैसे कार्यों से भारत की सांस्कृतिक विरासत को वैश्विक पहचान मिली है। इसी प्रेरणा से उत्तराखंड सरकार भी केदारखंड-मानसखंड मंदिर माला मिशन, हरिद्वार-ऋषिकेश कॉरिडोर, शारदा कॉरिडोर, यमुना तीर्थ पुनरुद्धार जैसी परियोजनाओं पर कार्य कर रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दून विश्वविद्यालय में 'सेंटर फॉर हिन्दू स्टडीज' की स्थापना कर संस्कृति और दर्शन के अध्ययन को सुदृढ़ किया गया है। साथ ही गढ़वाल और कुमाऊं मंडलों में एक-एक स्पिरिचुअल इकोनॉमिक ज़ोन की स्थापना की योजना पर भी कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार देवभूमि उत्तराखंड की सांस्कृतिक पहचान, सामाजिक संतुलन और मूल स्वरूप की रक्षा के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है। यह प्रतिबद्धता कठोर निर्णयों और साहसिक कदमों के रूप में दिखाई देती है। सख्त धर्मांतरण कानून, दंगा रोधी कानून, नकल विरोधी कानून, भू-कानून, यूसीसी लागू करने सहित भ्रष्टाचार के विरुद्ध अब तक की सबसे कठोर कार्रवाई की गई है।

मुख्यमंत्री ने विश्वास व्यक्त किया कि जनसमर्थन और सहयोग से सरकार देवभूमि उत्तराखंड को देश का सर्वश्रेष्ठ राज्य बनाने के अपने 'विकल्प रहित संकल्प' को अवश्य पूर्ण करेगी।

शारदीय कांवड़ यात्रा की तैयारी में जुटा प्रशासन, बैठक में दिये दिशा निर्देश

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

शारदीय कांवड़ मेले को सफलतापूर्वक संपन्न कराये जाने के लिए जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के निर्देशन में अपर जिलाधिकारी पी आर चौहान की अध्यक्षता में एचआरडीए सभागार में संबंधित अधिकारियों के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में अपर जिलाधिकारी ने शारदीय कांवड़ को सफलतापूर्वक संपन्न कराये जाने के लिए सभी व्यवस्थाएं चाक-चौबन्द करने के निर्देशन दिए।

अपर जिलाधिकारी ने प्रशासनिक अधिकारियों से कहा कि 2 फरवरी से शुरू हो रहे मेले के सफल आयोजन के लिए जिस स्तर पर जो व्यवस्थाए की जानी है वह आपसी समन्वय के साथ समय से पूर्ण कर ली जाए। उन्होंने निर्देशित करते हुए कहा कि कांवड़ यात्रा पर आने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा को सरल, सुगम, सुरक्षित व सुःखद बनाने के लिए सभी छोटी-बड़ी तैयारियां समय से सुनिश्चित कर ली जाए ताकि यात्री, हरिद्वार से सुःखद यादें लेकर जाये। उन्होंने निर्देश दिये के कांवड़ यात्रा पर हरिद्वार आने वाले श्रद्धालुओं को किसी भी

प्रकार की असुविधा न हो।

उन्होंने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिये कि गौरीशंकर पर बनने वाली पार्किंग में अभी व्यवस्थाएं चाक चौबंक करने के निर्देश दिए साथ ही उन्होंने यूपीसीएल,जल संस्थान के अधिकारियों को भी विद्युत ओर पानी की व्यवस्था करने के निर्देश दिए भविष्य की आवश्यकताओं एवं मांग को ध्यान में रखते हुए सभी अधिकारी आपसी समन्वय के साथ कार्य करे। उन्होंने हरिद्वार में लगने वाले आगामी मेलों को ध्यान में रखते हुए एनएचएआई के अभियन्ताओं को नजीबाबाद रोड पर जितने भी गड्ढे है उन्हें ठीक करने के साथ हाईवे पर नियमित साफ सफाई के भी विशेष निर्देश दिए। उन्होंने हरिद्वार से चिड़ियापुर तक सड़क, पानी, बिजली, पार्किंग आदि सुविधाओं का विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिए। उन्होंने वन विभाग ,सिंचाई विभाग,पर्यटन विभाग,जिला पंचायत विभाग को मेले के दौरान अपने अपने क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था दूरस्त रखने के निर्देश दिए ।

बैठक के दौरान उन्होंने शेष सभी छोटे-छोटे कार्यों को शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश संबंधित विभागों को दिए गए हैं, ताकि कांवड़ियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।उन्होंने मेले के दौरान नगर निगम के अधिकारियों को शहरी क्षेत्रों में दिन में तीन तीन बार कूड़ा उठाने एवं सफाई के निर्देश दिए साथ ही संबंधित अधिकारियों को नजीबाबाद मार्ग पर साइनेज बोर्ड लगाने के निर्देश दिए,जिससे कि कांवड़ यात्रियों को कोई असुविधा न हो।

बैठक में एसपी सिटी अभय प्रताप सिंह ने अवगत कराया कि कांवड़ यात्रा को शान्ति पूर्ण ढंग से सम्पन्न कराएं जाने के लिए मेले क्षेत्र को 06 जोन 16 सेक्टर में विभाजित किया गया है। पिछ्ले साल शरदीय कांवड़ मेले में लगभग 18 लाख कावड़िया गंगा जल लेने आए थे। इस साल कांवड़ियों की संख्या बढ़ेगी साथ ही होल्डिंग एरिया बैरागी कैंप में भी सभी व्यवस्था करली जाएगी।

बैठक के दौरान एचआरडीए सचिव मनीष सिंह,मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ आर के सिंह, अधिशासी अभियंता सिंचाई विभाग ओमजी गुप्ता, अधिशासी अभियंता लोनिवि दीपक कुमार, अधिशासी अभियंता यूपीसीएल दीपक सैनी, सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी नेहा झा ,आपदा प्रबंधन अधिकारी मीरा रावत, एनएचएआई के अधिकारी सहित सम्बन्धित अधिकारी व उपस्थित थे।

एक नजर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाई ने परिवार संग किया गंगा स्नान

पथ प्रवाह, हरिद्वार। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के भाई टीएस टुडू रविवार को परिवार समेत हरिद्वार पहुंचे। यहां उन्होंने हरकी पैडी स्थित ब्रह्मकुंड में विधि-विधान से गंगा स्नान कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस दौरान उन्होंने मां गंगा से देश की सुख-समृद्धि और शांति की कामना भी की। इस दौरान हरकी पैड़ी पर श्रद्धा और भक्ति का वातावरण बना रहा। श्रीगंगा सभा की ओर से टीएस टुडू और उनके परिजनों का स्वागत-अभिनंदन किया गया। श्रीगंगा सभा के सचिव उज्ज्वल पंडित और सचिव अवधेश कौशिक ने गंगाजलि भेंट की। राष्ट्रपति के भाई के आगमन को देखते हुए हरकी पैड़ी क्षेत्र में प्रशासन की ओर से सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे। सचिव उज्ज्वल पंड़ित ने बताया कि टीएस टुडू और उनके परिवार ने श्रीगंगा सभा के कार्यों की सराहना की। पूरा परिवार सादगी के साथ हरकी पैडी पहुंचा और मां गंगा में स्नान के बाद विधिवत पूजा की।

महा स्वच्छता पखवाड़ा पूरा होने में चंद दिन शेष, लगातार मेहनत का दिख रहा परिणाम

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

तीर्थ नगरी हरिद्वार को साफ स्वच्छ, सुंदर जनपद बनाए जाने के लिए शुरू किये गए अभियान के लिए जो तय सीमा रखी गई वह पूरा होने में चंद दिन शेष है। यह अभियान जिलाधिकारी मयूर दीक्षित के नेतृत्व में लगातार प्रगति की ओर बढ़ रहा है। शहर से लेकर गांव कस्बों तक चलाये जा रहे इस अभियान का अब धरातल पर असर दिखने लगा है।

जनपद को साफ स्वच्छ बनाने की दिशा में जिलाधिकारी मयूर दीक्षित निरंतर प्रयासरत है, सफाई अभियान में ओर तेजी लाने के लिए जिलाधिकारी द्वारा जिला स्तरीय अधिकारियों का विभागवार रोस्टर तैयार करते हुए 31 जनवरी तक जनपद में महा स्वच्छता अभियान पखवाड़ा चलाया जा रहा है। जिलाधिकारी ने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए है कि स्वच्छता अभियान में जो जिम्मेदारी एवं दायित्व जिस अधिकारी को सौंपी गई है वह अपने दायित्वों का निर्वहन

संवेदनशीलता के साथ करेंगे,जिससे कि तीर्थनगरी को साफ स्वच्छ,सुंदर जनपद बनाया जा सके।

रविवार को चलाए गए अभियान के तहत अधिशासी अभियंता ग्रामीण निर्माण विभाग ने अवगत कराया कि जिलाधिकारी द्वारा जारी किए गए रोस्टर के अनुसार आज ग्रामीण निर्माण विभाग द्वारा ग्रामीण सड़कों में सफाई अभियान चलाया गया जिसमें रूड़की एवं बाहदराबाद में ग्रामीण सड़कों पर साफ सफाई का कार्य किया गया। बीएचईएल नगर प्रशासक संजय पवार ने अवगत कराया है कि टाउनशिप प्रशासन विभाग, बीएचईएल द्वारा सेक्टर-4 चौराहा (खोखा मार्केट के पास) से बैरियर संख्या-7 तक तथा मध्य मार्ग के किनारे स्थित टाइप-1 क्वार्टर एवं एसओजी कार्यालय के समीपवर्ती क्षेत्र में व्यापक स्वच्छता अभियान चलाया गया।

स्वामी/प्रकाशक वीरेन्द्र सिंह ने मुद्रक प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड) से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः 40 शांतिपुरम कॉलोनी जगजीतपुर, कनखल, हरिद्वार, उत्तराखंड 249408 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। वीरेन्द्र सिंह (सम्पादक) 9411111733, डॉ सुशील शर्मा(उप संपादक) 9837906777 किसी भी वाद विवाद का निपटारा हरिद्वार में होगा। वेबसाईट- www.pathpravah.com